



Indian Council of  
Social Science Research

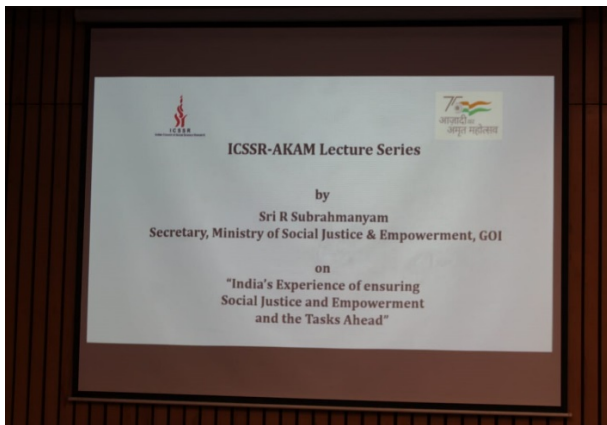


## Events organized under 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' in the Month of **August 2022**

### 1. Indian Council of Social Science Research (ICSSR)

The ICSSR, as part of the celebration of the 75th Year of Indian Independence, has initiated a series of lectures to review the achievement of Independent India and the prospects for the future in various fields of social, economic, scientific and technological endeavour to be delivered by leaders in their respective fields. This Lecture series are being held under Azadi Ka Amrit Mahotsava (AKAM).

The **second lecture** of this series was delivered by Sri R Subrahmanyam, Secretary, Ministry of Social Justice & Empowerment, GOI on **'India's Experience of ensuring Social Justice and Empowerment and the Tasks Ahead'** on **22nd August 2022** at India International Centre (IIC), New Delhi. The event was attended by eminent scholars, Senior Diplomats from Embassies in India, policy makers and other senior office bearers of academic and research organizations of similar nature. The Lecture was very well attended by the researchers, academicians, policy makers. The ICSSR is going to publish the lecture as a Monograph.



2. University School of Management Gautam Buddha University Greater Noida, Gautam Budh Nagar-Uttar Pradesh, in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR), organised a National Seminar on ACHIEVEMENTS@75 i.e. "Achievements of Indian Economy: With Reference to Village, Youth, Women, Environment, Digitalization and Industries" from **26-27, August 2022** at Gautam Buddha University Greater Noida.

India is transforming from under developing to developing nation. With the vision of five trillion Economy within next few years. The objective of the seminar to provide concrete and feasible policies and solutions, in response to the various new challenges and opportunities that will arise in the future of our country. With the background of different factors which helping Indian economy to grow discussed in the seminar taking into consideration the various nee challenges and opportunities that will arise in the future of our country.

## गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ने ICSSR प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी उपलब्धियों 75 का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ने वृहत्तरफप्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी उपलब्धियों @ 75 का उद्घाटन सत्र और चर्चा ट्रैक आयोजित किया। संयोजक प्रो श्वेता आनंद और डॉ नवीन कुमार के साथ सभी शिक्षाविदों, शोध विद्वानों के प्रतिनिधियों और कई गणमान्य व्यक्तियों ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर के सिन्हा, कुलपति गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के साथ अतिथि ब्रिगेडियर का स्वागत किया। राकेश गुप्ता, निदेशक, जीआईएमएस और प्रोफेसर एन पी मेलकानिया, डीन अकादमिक गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में। एक सुंदर सरस्वती वंदना के बाद प्रोफेसर श्वेता आनंद संयोजक और डीन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और बताया कि कैसे गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की वास्तुकला का हर पहलू बौद्ध



दर्शन पर आधारित था। उन्होंने विश्वविद्यालय पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास की दिशा में हरित पहल के बारे में भी जानकारी दी। तकनीकी ज्ञान के साथ मूल्य शिक्षा को संतुलित करने और छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करने की यूएसपी भी अच्छी तरह से वितरित की गई थी। निदेशक जीआईएमएस ने अनुसंधान और नवाचार के बारे में बात की और जीबीयू के साथ सहयोग किया। डीन एकेडमिक्स ने पर्यावरण और स्थिरता के महत्व के बारे में

बताया। कुलपति प्रो आर के सिन्हा ने कई बाधाओं के बावजूद युवा शोधकर्ताओं को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरण दिए। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रोफेसर श्वेता आनंद और डॉ नवीन कुमार द्वारा लिखित 'भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धि @75' नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। नौ पेपर वाले आठ ट्रैक की अध्यक्षता प्रोफेसर अरुण कंसल, डीन अकादमिक, टेरी, ने की।

प्रो. केएस रंजनी, नीटी, प्रो. पंकज मदान, डीन, जीकेवी, प्रो. पुष्पेंद्र कुमार सूर्य, केएमसी, डीयू, प्रो. अलका धमेजा, एफपीए, इग्नू, डॉ. तृप्ति सिंह, एसएमएस, एमएनएनआईटी, डॉ। विकास गर्ग, सहायक निदेशक, एमिटी विश्वविद्यालय और डॉ. सोमा डे, एफएमएस, दिल्ली विश्वविद्यालय। सम्मेलन के दौरान कुल 70 से अधिक पत्रों पर विस्तार से चर्चा की गई। शोधकर्ताओं को उनकी ईमानदारी से सलाह, प्रोत्साहन और सुझाव उन्हें बेहतर बनाने और अधिक सार्थक अंतर्दृष्टि खोजने और ज्ञान के शरीर में जोड़ने में मदद करेंगे। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के संयोजक डॉ नवीन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसे बड़ी सफलता दिलाने के लिए सभी के संयुक्त प्रयासों की सराहना की गई। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े भारत के विभिन्न राज्यों के 150 प्रतिनिधियों को भी धन्यवाद दिया गया।

The seminar news is also published on the following link:  
<https://www.futurelinetimes.page/2022/08/icssr-75.html>

3. Sri sathguru Sangeetha Vidyalayam, Madurai, Tamil Nadu in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR), organized a National seminar on **“Inculcating & inspiring Patriotism through Music in People - Pre & Post-Independence”** under the theme of Azadi Ka Amrit Mahotsav on **08-08-2022**.

The secretary inaugurated the seminar and the keynote speakers addressed the seminar. Around 15 presenters presented their papers from Andhra, Kerala, Srilanka, Karnataka and Tamilnadu.

The conference aims to explore the patriotic songs that prevail in regional languages, the noble thoughts of various poets, composers which helped to gain spirit and bring out patriotism among common people. The digital world helped to preserve the resources for future generations. This topic bestows opportunities for research submissions related to all aspects of the listed conference theme and subthemes.





4. Hansraj College, University of Delhi in collaboration with Indian Council for Social Science Research (ICSSR) going to organize a National seminar on “राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाएं और भविष्य की रणनीति” under the theme of Azadi Ka Amrit Mahotsav from 5<sup>th</sup> September to 6<sup>th</sup> September 2022.

Indian education system has its own distinctive tradition. Various dimensions related to the promotion of Indian languages and its implementation Dialogue and cooperation on various points of strategy required in the National Education Policy 2020



‘आजादी का अमृत महोत्सव’ एवं हंसराज कॉलेज की  
‘स्थापना का अमृत वर्ष’ के उपलक्ष्य में  
हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा  
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्  
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)  
द्वारा आयोजित

## राष्ट्रीय संगोष्ठी

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाएँ और भविष्य की रणनीति

5-6 सितम्बर 2022, प्रातः 10 बजे से

आमंत्रित वक्ता

 <p>श्री अनिल जोशी उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार</p>	 <p>श्री अतुल भार्गव कोठारी राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास</p>	 <p>डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद् (औद्योगिक संसोधन प्रबन्धन संस्थान, भारत सरकार)</p>	 <p>प्रो. संगीत कुमार रागी अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली</p>	
 <p>प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल (आईआईटी, कानपुर) भाषा सेवी</p>	 <p>श्री मनोज श्रीवास्तव विचारक एवं भारतविद भोपाल, मध्य प्रदेश</p>	 <p>प्रो. रमा प्राचार्या, हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली</p>	 <p>प्रो. सत्यकेतु सांफुत कुलानुशासक अन्वेषक विश्वविद्यालय, दिल्ली</p>	 <p>प्रो. गिरीश नाथ झा अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार</p>
 <p>डॉ. जवाहर कर्नावट वरिष्ठ भाषा कर्मी भोपाल</p>	 <p>श्री अनंत विजय एडिटर संपादक दैनिक जगरण</p>	 <p>डॉ. आशीष कंधे संपादक, गगनांचल भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद</p>	 <p>श्री रोशन गौड़ राष्ट्रीय ब्यूरो चीफ राष्ट्रीय सहारा</p>	

## 5. National Seminar under the scheme of Azadi ka Amrit Mahotsav “Women and Atmanirbhar Bharat”

A national seminar on the crucial topic of Women and Atmanirbhar Bharat was conducted by the department of commerce, R. C. U. Govt. PG College Uttarkashi in collaboration with the ICSSR on the 26th and 27th of August under the flag of the Azadi ka Amrit Mahotsav scheme. The event was inaugurated by the MLA of Gangotri, Uttarkashi and patron/principal of the College Prof. Savita Gairola where they also shared their words of wisdom on the topic.

Many keynote speakers including Prof. H. C. Purohit from Doon University, Dehradun, Prof. Prateek Gupta from Ghaziabad, Prof. R.S. Pandey from Srinagar, Garhwal, Prof. Rajesh Verma from Haryana, Prof. Anil Verma from Lucknow, Prof. Divya Prajapati from Lucknow, Prof. Sanjay Mahar from PG College, Narendra Nagar & Prof. Ranchay Bhateja from Ghaziabad graced the occasion with their presence.

In a nutshell, the event was very successful as the count of participants was around 100 which included Academicians and Scholars all across Uttarakhand and other states of India. The participants presented their papers and helped the audience by showing the direction toward the real Atmanirbharta of women and how it can be achieved considering the current scenario.

### गवर्नमेंट पीजी कॉलेज उत्तरकाशी में महिला एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार समाज और राष्ट्र के विकास को नेतृत्व में हो महिलाओं की भागीदारी: प्रो. पुरोहित

तीर्थ चेतना न्यूज  
उत्तरकाशी। गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, उत्तरकाशी में महिला एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू हो गया। शिक्षाविदों ने इस बात पर जोर दिया गया राष्ट्र के विकास के लिए जरूरी है कि नेतृत्व में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी हो।  
मंगलवार को सांख्यिक विभाग के बैनर तले आयोजित “महिला एवं आत्मनिर्भर भारत” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गंगोत्री के विधायक सुरेश चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता के रूप में दून विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एचसी पुरोहित ने भारत की प्राचीन विदेशी महिलाओं के जीवन के बारे में उल्लेख किया। कहा कि प्राचीन काल में भारत में गर्मी, मैत्रेयी रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होल्कर जैसी अनेकों विदुषी और नेतृत्व क्षमता से भरी महिलाओं ने भारत को चलाया है।  
आज भी अगर भारत को विकसित राष्ट्र



की तरफ ले जाना है तो महिलाओं की देश में नेत्रत्व में भागीदारी को और भी बढ़ाना होगा। प्रो. प्रतीक गुप्ता ने से. मिनार में विभिन्न प्रकार के स्टार्टअप के बारे में बताया। साथ ही आत्मनिर्भर भारत की कहानी तभी सफल होगी जब महिलाओं को उनके अधिकार और उनके अस्तित्व के बारे में पूरी जानकारी होगी और उनकी देश के विकास में भागीदारी बढ़ेगी। प्रो. संजय सिंह मेहर ने आत्मनिर्भर भारत के विकास में मां

हलाओं के योगदान तथा महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया। मुख्य अतिथि गंगोत्री विधानसभा के विधायक सुरेश चौहान जी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर एक तबके से जुड़ने की बात कही उन्होंने कहा कि महिला तभी आत्मनिर्भर बनेगी जब उसे पूर्ण स्वतंत्रता दी जाएगी। उत्तराखंड के विकास में महिलाओं का पहले से अपना महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सविता गैरोला ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन सेमिनार के सहसंयोजक डॉ. दिवाकर चौध ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका डइक्टर दीपिका वर्मा ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका पर चर्चा की तथा सभी अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफेसर वसन्तिका कश्यप, डॉ. डी. विन्मुक्ती, डॉ. मधु थपलियाल, डॉ. नंदी गढ़िया, डॉ. आकाश चंद्र, डॉ. कमल बिष्ट, डॉ. तिवारी, डॉ. प्रजापति, डॉ. डॉक्टर खंडूरी, डॉ. विश्वनाथ राणा, डॉ. रुचि कुलश्रेष्ठ, डॉ. जयलक्ष्मी रावत, डॉ. अरुचा बघानी, डॉ. संजीव, डॉ. आराधना, डॉ. अनामिका, डॉ. परदेव, डॉ. पवेन्द्र, डॉ. अंजना, आदि समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।



# ‘विकसित भारत निर्माण के लिए महिलाओं की भागीदारी जरूरी’

उत्तरकाशी। रामचंद्र उनियाल पीजी कालेज उत्तरकाशी में ‘महिला एवं आत्मनिर्भर भारत’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता दून विवि के प्रो. एचसी पुरोहित ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाना होगा।

शुक्रवार को महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि महिला तभी आत्मनिर्भर बनेगी, जब उन्हें पूर्ण स्वतंत्रता दी जाएगी। इस अवसर पर दून विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एचसी पुरोहित ने कहा कि प्राचीन काल से भारत में गाँगी, मैत्रेई, रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई होलकर जैसी अनेकों नेतृत्व क्षमता से भरी महिलाओं ने भारत को आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना होगा। प्रो. प्रतीक गुप्ता ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत की कहानी तभी सफल होगी जब महिलाओं को उनके अधिकार की पूरी जानकारी होगी। राजकीय महाविद्यालय



उत्तरकाशी पीजी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में अतिथि। संवाद

नरेंद्रनगर के असिस्टेंट प्रोफेसर संजय सिंह मेहर ने आत्मनिर्भर भारत के विकास में महिलाओं के योगदान के बारे में बताया। सेमिनार की संयोजक डा. दीपिका वर्मा व सहसंयोजक डा. दिवाकर बौद्ध ने सेमिनार के उद्देश्य की जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य सविता गैरोला, वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफेसर बसंती का कश्यप, डा. डीडी पैन्वली, नंदी गढ़िया, डा. मधु थपलियाल मौजूद रहे। संवाद

n.com

## अपना पड़ोस

# ‘महिलाएं एवं आत्मनिर्भर भारत’ पर मंथन

उत्तरकाशी, संवाददाता। राजकीय महाविद्यालय में ‘महिलाएं एवं आत्मनिर्भर भारत’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय सेमिनार में दून विवि के प्रो. एचसी पुरोहित ने कहा कि अमृत महोत्सव के इस काल में आदिवासी समाज से देश की राष्ट्रपति चुना जाना ऐतिहासिक है। जिसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार साधुवाद की पात्र है।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत महिलाएं एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने किया। इस मौके पर विभिन्न विवि से आए



उत्तरकाशी में गुरुवार को कार्यक्रम के सोवियर का विमोचन करते अतिथि।

हए विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए और दुनिया की आधी आबादी के हिस्से में पहुंचे विकास पर समालोचना की। महाविद्यालय की प्राचार्या सविता गैरोला ने कहा कि इस प्रकार के

कार्यक्रमों से ही महिलाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी। कहा कि आज महिलाएं समाज जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं, लेकिन

ग्रामीण क्षेत्रों में अभी बहुत अधिक काम किए जाने की आवश्यकता है।

बतौर मुख्यातिथि पहुंचे गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात कर रहे हैं, तब देश की आधी आबादी की स्थिति को जाने बगैर आत्मनिर्भर बन पाना संभव नहीं।

इस मौके पर गाजियाबाद से प्रो. प्रतीक गुप्ता, नरेंद्रनगर से प्रो. संजय सिंह, लखनऊ से प्रो. दिव्य प्रजापति, अनिल कुमार, सहित कार्यक्रम संयोजक दीपिका वर्मा, डा. दिवाकर, रीचा बथानी, डा. मधु थपलियाल, वंसतिका कश्यप, एमपी तिवारी, आकाश चंद्र मिश्र, डा. लोकेश सेमवाल, डा. जय लक्ष्मी रावत, कमल कुमार बिट सहित अन्य मौजूद रहे।